BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR UNIVERSITY
LUCKNOW
प्रज्ञा शील करुणा
ESTABLISHED 1996

BBAU NEWSLETTER

Quarterly Newsletter July-September, 2020

www.bbau.ac.in

सलाहकार समिति के अध्यक्ष चुने गए प्रो० राणा प्रताप सिंह



विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राणा प्रताप सिंह, डीन, एकेडमिक अफेयर को काउंसिल आफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, उत्तर प्रदेश की पर्यावरण विज्ञान के लिए सलाहकार समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। प्रोफेसर सिंह अब काउंसिल में पर्यावरण से जुड़े सभी प्रोजेक्ट की जांच, उसकी समीक्षा व मूल्यांकन करने के उत्तादायित्व का निर्वहन करेंगे।

प्रो० आर० ए० खान इंटरनेट ऑफ थिंग्स विषय पर होने वाले कार्यशाला के निदेशक बनें



अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् के अटल अकादमी की तरफ से "इंटरनेट ऑफ थिंग्स" विषय पर आयोजित होने वाली कार्यशाला के लिए विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर रईस अहमद खान को कार्यशाला के निदेशक और सहायक आचार्य डॉ. राजश्री को कार्यशाला समन्वयक के लिए चुना गया है।

डॉ० एम० के० पाढ़ी सम्मानित



विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ0 महेन्द्र कुमार पाढ़ी को GRABS एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2020 के लिए शिक्षण और अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

Dr. Pankaj Arora has been nominated as a member of the Editorial Board



Dr. Pankaj Kumar Arora, Assistant Professor of Microbiology. Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow, has been nominated as Editorial Board Member of 'Elsevier Journal-Data in Brief'. Elsevier is a global information analytics business that helps institutions and professionals advance healthcare, open science and improve performance for the benefit of humanity. Dr. Pankaj is also an Editor of 'Frontiers in Microbiology' and Editorial Board Member of Scientific Reports, A Journal of Nature Publishing Group.

स्वतन्त्रता दिवस पर कुलपति ने देश सेवा का आह्वान किया



कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन दौर–ए–ज़माँ हमारा", अल्लामा इक़बाल की लिखी इन पंक्तियों से सभा को संबोधित करते हुए बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने सभी को 74वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी और देश सेवा का आह्वान करते हुए कहा कि ''हमारे देश और इसकी संस्कृति में वह शक्ति है, जिसने हमें पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त होने का संबल प्रदान किया। हमारी संस्कृति की महानता को कई कवियों ने अपनी कविताओं के माध्यम से परिभाषित किया और महापुरूषों ने इसके मूल भाव को जन–जन तक पहुँचाने का कार्य किया''। उन्होंने उन वीर सपूतों स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया जिनकी बदौलत हम सभी को स्वतंत्रता प्राप्त हुई ।

74वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के अम्बेडकर भवन में झंडारोहण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। विवि के कुलसचिव प्रो0 एस0 विक्टर बाबू द्वारा समारोह स्थल पर उपस्थित समस्त विवि परिवार और ऑनलाईन उपस्थित लोगों का कार्यक्रम में स्वागत किया।

विवि के सुरक्षाकर्मियों व एनसीसी कैडेट्स द्वारा कुलपति को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, इसके बाद कुलपति द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने सभा को संबोधित करते हुए उन सभी वीर सेनानियों को उनके त्याग और बलिदान के लिए याद किया जिनके देश के प्रति प्रेम, त्याग और समर्पण के चलते हम सभी के हिस्से में यह दिन आया। उन्होंने इस दौरान विवि के 25 वर्षों के सफर पर भी चर्चा की जिसमें सभी कुलपतियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों, कर्मचारियों का सहयोग रहा है। उन्होंने बताया कि विवि निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है, विवि की सफलता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस वर्ष कोविड 19 महामारी और देश व्यापी लॉकडाउन के बाद भी विवि में प्रवेश के लिए आए आवेदनों की संख्या पिछली वर्ष से दोगुनी है। हमारी एनआईआरएफ रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ को भी धन्यवाद दिया जिन्होंने विवि में सावित्रीबाई फुले छात्रावास के निर्माण के लिए सहयोग किया।

कोविड 19 के कारण इस पूरे कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग की गई ताकि कार्यक्रम में समस्त विवि परिवार ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। इस दौरान बहुत से शिक्षक एवं कर्मचारी कार्यक्रम स्थल पर पहुँचकर कार्यक्रम का हिस्सा बने। कार्यक्रम के अंत मे छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो0 बी0एस0 भदौरिया ने धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर अम्बेडकर भवन के प्रांगण में कुलपति महोदय व अन्य शिक्षकों के द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।



बी.बी.ए.यू. शीर्ष दस केन्द्रीय विवि में हुआ शामिल

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय देश के शीर्ष दस केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शामिल हो चुका है। साथ ही प्रदेश के टॉप 3 केंद्रीय विवि में भी बीबीएयू शामिल है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा 40 केंद्रीय विश्वविद्यालयों की वार्षिक रिपोर्ट जारी की गई है, इस रिपोर्ट के अनुसार शिक्षा मंत्रालय के विभिन्न मापदंडों के आधार पर देश भर के केंद्रीय विश्वविद्यालयों में बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय नौवें सर्वश्रेष्ठ विवि के पायदान पर है। मंत्रालय द्वारा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातक, परास्नातक, एमफिल, और पीएचडी में विद्यार्थियों के दाखिले की संख्या, अन्य प्रदेशों से आए विद्यार्थियों की संख्या, छात्र शिक्षक अनुपात, नेट पास किये शोध छात्रों की संख्या व अन्य, कुल 14 मापदंडों के आधार पर विवि की रैंकिंग निर्धारित की जाती है, इसमें नैक और एनआईआरएफ की रैंकिंग भी शामिल की जाती है। इसके आधार पर औसत प्रतिशत निर्धारित किया जाता है। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विवि ने कुल 283.5 अंकों मे से 206.7 अंक, 73 प्रतिशत अंक प्राप्त किये।



BBAU
NEWS LETTER
July-September, 2020

बी.बी.ए.यू. में कारगिल दिवस के अवसर पर वेबिनार

कारगिल विजय दिवस पर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में 20 यूपी गर्ल्स बटालियन और 67 यूपी बटालियन के संयुक्त तत्वाधान में वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय सिंह द्वारा की गई।

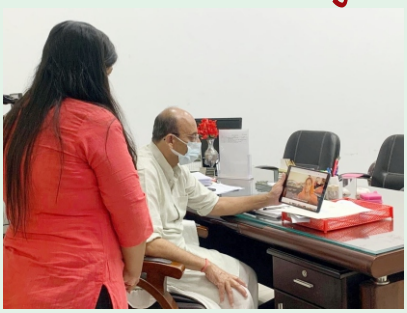
कार्यक्रम के प्रारंभ में एन सी सी अधिकारी लेफ़्टिनेंट मनोज कुमार डडवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को राष्ट्रीय शपथ दिलवाई। उसके बाद कारगिल युद्ध में सम्मिलित हुए सैनिकों के अदम्य साहस और वीरों की शौर्यगाथा को दर्शाते हुए वृत्तचित्र, भारत की आजादी के बाद सभी शहीदों को समर्पित राष्ट्रीय समर स्मारक पर वृतचित्र और कैप्टन मनोज कुमार पर वृतचित्र दिखा कर शहीद सैनिकों के बलिदान को याद किया गया।

एन.सी.सी. कैडेट अंडर ऑफिसर कनिका त्रिपाठी ने कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि वक्ताओं का जीवनवृत्त प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल समर विजय ने, कारगिल युद्ध की विषम परिस्थितियों और कारगिल विजय में शहीद हुए भारतीय सेना के शूरवीरों कैप्टन सौरभ कालिया, कैप्टन विक्रम बत्रा, कैप्टन मनोज पाण्डे के संस्मरणों को साझा किया।

कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि लेफ़्टिनेंट कर्नल राकेश रस्तोगी ने बताया कि जीवन में आर्मी या एन सी सी प्रशिक्षण हमें गौरव की अनुभूति कराने के साथ–साथ राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना, धर्म निरपेक्षता, कुशल नेतृत्व, समय प्रबंधन जैसे गुणों को जगाता है।

कार्यक्रम का संचालन एन सी सी अधिकारी लेफ़्टिनेंट राजश्री ने किया।

कैंसर रोगियों को जीने का हौसला देंगी कैंसर पर बनी लघु फिल्में



विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग की शोध छात्रा नीलू शर्मा की कैंसर पर बनी फिल्म को स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह ने रिलीज किया। विभागाध्यक्ष प्रो गोविन्द जी पाण्डेय के निर्देशन में शोधरत छात्रा नीलू शर्मा की फिल्म की उत्तरप्रदेश के स्वास्थ मंत्री जय प्रकाश सिंह ने सराहना की उन्होंने विभाग और उसके द्वारा सामाजिक मुद्दों को लेकर किये जा रहे शोध कार्य की न सिर्फ प्रशंसा की बल्कि कहा की वो चाहते है की इस तरह के काम और किये जाये। नीलू शर्मा ने कैंसर जैसे विषय को लोगों तक पहुंचाने के लिए तीन फिल्मो का निर्माण किया है जिससे कैंसर के बारे में जागरूकता, कैंसर के बेहतर इलाज और कैंसर को मात देकर वापस सामान्य जिंदगी जीने वाले लोगो की कहानी है। नीलू शर्मा की एक फिल्म कैन ब्रेक कैंसर का चयन भारत के राष्ट्रीय विज्ञान फिल्म महोत्सव की अवार्ड केटेगरी के लिए भी हुआ है। जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो गोविन्द जी पाण्डेय, जिनके निर्देशन में नीलू शर्मा कैंसर पर शोध कर रही है, ने बताया की उत्तर प्रदेश सरकार के स्वास्थ मंत्री जय प्रकाश सिंह ने न सिर्फ तीनो फिल्मो को देखा बल्कि उसे जनता के लिए लाभदायक मानकर विभाग को एक पत्र के माध्यम से उसे सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए सहयोग देने को कहा है। प्रो. पाण्डेय ने बताया की शीघ्र ही विभाग पूरे उत्तर प्रदेश में एक जनजागरण अभियान चलाकर कैंसर और खासकर महिलाओं में होने वाले सर्वाइकल कैंसर को ख़त्म करने का एक बड़ा अभियान चलाएगा जिसमे उत्तर प्रदेश सरकार से भी सहयोग लिया जाएगा

ऑनलाइन मनाया गया शिक्षक दिवस

विश्वविद्यालय में 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया गया। इस संबंध में बीबीएयू सोशल मीडिया ने छात्रों से अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए लघु वीडियो आमंत्रित किया था। वेबिनार का आयोजन बीबीएयू द्वारा एनसीसी, यूपी 20 गर्ल्स बटालियन, एनसीसी 67 यूपी बटालियन के संयुक्त प्रयास से किया गया। अतिथियों ने शिक्षकों और शिक्षकों के कर्तव्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। विवि के माननीय कुलपति आचार्य संजय सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। वेबिनार में प्रो0 आर0 पी0 सिंह, प्रो0 एस0 विक्टर बाबू (रजिस्ट्रार), प्रो0.बी0 एस0 भदौरिया, प्रो0 गोविंद जी पांडे और अन्य संकाय सदस्य व बीबीएयू के छात्रों ने हिस्सा लिया।

वंचित वर्ग के छात्रों को शिक्षित कर मुख्य धारा में लाने का प्रयास : प्रो. संजय सिंह

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ एवं न्यू डेल्ही इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट नई दिल्ली के तत्वावधान में "माई लर्निंग्स फ्रॉम कोरियन कम्पनीज: रेलेवेंट फॉर टुमारो" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का ऑनलाइन आयोजन किया गया। संगोष्ठी के प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय सिंह ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय में समाज के वंचित वर्ग के छात्रों को समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया जाता है, ताकि समाज के सभी वर्गों का उत्थान हो सके और सभी को बेहतर उच्च शिक्षा प्राप्त हो सके। एन डी आई एम के चेयरमैन डॉ. विश्व मोहन बंसल ने गाँधी जी को उधृत करते हुए कहा कि उनका भी संस्थान इसी विचारधारा पर विश्वास करता है। कार्यक्रम का संचालन रिटायर्ड राजदूत एवं प्रेसिडेंट–आई.आर के. एफ़ .एस. श्री स्कन्द आर तायल ने किया ।

कार्यक्रम में श्री जिहून जियोंन (डायरेक्टर – कोर्लोय), श्री वी. एस. राम, (फॉर्मर प्रेसिडेंट –सामिल फार्मास्युटिकल, सियोल), श्री सी. वी. सिंह. (वाईस प्रेसिडेंट, टाटा डेवू), श्री वासुदेवजी, (संग्यंग मोटर), प्रो. अरविंद कुमार झा, (डीन, स्कूल ऑफ़ एजुकेशन, बी.बे.ए.यू., लखनऊ) ने भाग लिया।

मेजर ध्यानचंद को याद कर मनाया खेल दिवस



बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के स्पोर्ट्स सेक्शन द्वारा 29 अगस्त, को मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन, जिसे भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस 'के रूप में भी मनाया जाता है, के अवसर पर लॉन टेनिस मैच का आयोजन किया गया। यह मैच कोविड–19 के दिशा निर्देशों को ध्यान में रखते हुए केवल विवि परिसर में निवास कर रहे संकाय सदस्यों व कर्मचारियों के मध्य आयोजित किया गया।

विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह और अन्य संकाय सदस्यों ने मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि दी और लॉन टेनिस व बास्केटबॉल मैच खेला । कुलपति महोदय लॉन टेनिस के साथ ही बास्केट बॉल मैच का भी हिस्सा बने।

पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता की प्रथम विजेता पूर्वी

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग के द्वारा रीडिंग मंथ एवं रजत जयंती वर्ष समारोह के अंतर्गत बुक रिव्यू प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। 19 जून को रीडिंग डे के उपलक्ष में विभाग द्वारा "रीडिंग शपथ" का भी आयोजन किया गया था। रीडिंग मंथ श्री पी0 पी0 पानिकर "फादर ऑफ लाइब्रेरी मोमेंट ऑफ केरला " की याद में मनाया जाता है। रीडिंग मंथ का आयोजन हर वर्ष 19 जून से 18 जुलाई तक किया जाता है जिसमें छात्र–छात्राओं को पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता है।

बुक रिव्यू प्रतियोगिता के प्रथम विजेता पूर्वी, द्वितीय विजेता राजीव रंजन मिश्रा एवं तृतीय विजेता अनुराग श्रीवास्तव, (शोधार्थी, गणित विभाग) है। बुक रिव्यू प्रतियोगिता में करीब 35 विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया एवं बहुत ही महत्वपूर्ण पुस्तकों का रिव्यू किया।

लॉकडाउन की वजह से छात्रों ने घर से ही अपनी पसंद की पुस्तकों को पढ़ा एवं रिव्यू किया।

पौधों की पूजा कर प्रकृति वंदन



विश्वविद्यालय द्वारा प्रकृति वंदना दिवस मनाया गया। माननीय कुलपति आचार्य संजय सिंह द्वारा वृक्षों की पूजा की गई । प्रकृति वंदना कार्यक्रम का उद्देश्य मनुष्य को दैनिक जीवन में पेड़ पौधों की रक्षा करने के लिए प्रेरित तथा समाज को प्रकृति व प्राणी रक्षा के प्राचीन मूल्यों की ओर पुनः उन्मुख करना है। इस अवसर पर कुलपति महोदय समेत विवि के शिक्षकों ने भी प्रकृति वंदना की और वृक्षों व पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प लिया।

BBAU
NEWS LETTER

गर्ल्स कैडेट्स ने देश में बने उत्पादों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने की शपथ ली

पंद्रह दिवसीय "सामाजिक मीडिया के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत जागरूकता अभियान" के तहत बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय की 56 एन. सी. सी. की गर्ल्स कैडेट्स ने लेफ्टिनेंट डॉ राजश्री (एसोसिएट एन सी सी अधिकारी) के साथ "बी वोकल अबाउट लोकल" की ऑनलाइन शपथ कार्यक्रम में भाग लिया और देश में निर्मित उत्पादों के इस्तेमाल और बढ़ावा देने का संकल्प लिया, उन्हें ई– प्रमाण पत्र भी दिया गया। यह अभियान भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय व इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के सन्युक्त तत्वावधान पर 20 यूपी गर्ल्स बटालियन लखनऊ द्वारा आयोजित किया गया।

टीबी बीमारी का पता लगाना हुआ आसान



विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के पीएचडी छात्र ऋषभ आनन्द ओमर को टी.बी बीमारी के क्षेत्र में की गई शोध में बड़ी सफलता हासिल हुई है। ऋषभ ने डॉ0 पंकज कुमार अरोरा (सहायक प्रोफेसर), माइक्रोबायोलॉजी विभाग, बी.बी.ए.यू. लखनऊ के मार्गदर्शन में एवं डॉ निशीथ वर्मा (प्रोफेसर) केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, आई. आई. टी. कानपुर के सहयोग से एक इम्युनो बायोसेंसर विकसित किया है। उन्होंने टी.बी. के बैक्टीरिया द्वारा स्रावित प्रोटीन को बायोमार्कर की तरह और उसके विरुद्ध कुछ एंटीबॉडी का उपयोग करके यह इम्यूनो बायोसेंसर विकसित किया है जो इस बीमारी का शीघ्र पता लगाने और सटीक जानकारी देने में सक्षम है।

इस दिशा में ऋषभ का यह प्रयास समाज के सामने टी.बी. बीमारी के एक समाधान के रूप में प्रस्तुत है। उनकी इस खोज से सही समय पर बीमारी का पता लगाने में मदद मिलेगी और आगे टी.बी. की रोकथाम और इससे होने वाले मृत्यु दर को कम करने मे भी आसानी होगी ।

बी.बी.ए.यू. के कुलदीप को मिला द्वितीय पुरस्कार



महाराष्ट्र स्थित नैशनल अससेमेंट एंड एक्रेडिटेशन कॉउन्सिल (NAAC) द्वारा ग्रेड चयनित एवं शिवाजी विश्विद्यालय कोल्हापुर महाराष्ट्र से सम्बद्ध आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज रामानन्दनगर (बुराली) के भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा "इमरजिंग ट्रेंड्स इन फिजिकल साइंस (NCETPS–2020) नामक शीर्षक पर ऑनलाइन आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के शोधार्थी एवं मलिहाबाद के पास स्थित गांव गोशालपुर के एक किसान के बेटे कुलदीप कुमार को मौखिक शोध पत्र प्रस्तुति में द्वितीय सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति सम्मान से नवाज़ा गया है।

कुलदीप कुमार विश्विद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं विश्विद्यालय जटिल उपकरण केंद्र (USIC) के निदेशक प्रोफेसर बाल चन्द्र यादव के निर्देशन में शोध कर रहे है।

Lecture on Mahatma Gandhi and Satyagraha

A lecture on the topic of "Mahatma Gandhi and Satyagraha" was organized by the Department of Economics, Babasaheb Bhimrao Ambedkar University, Lucknow on the occasion of Silver Jubilee Celebration of the university. Vice-Chancellor of the University Prof. Sanjay Singh, and Christian Bartolf, President, Gandhi Information Center, Berlin, Germany Chief Speaker of the program.

Prof. Sanatan Nayak, Dept. of economics, organizer of this program, welcomed all the dignitaries and introduced the Chief Guest Mr. Bartolf. He briefed on the relevance of the Gandhian Ideology and Thoughts especially Satyagraha on contemporary society. Further Prof. Sashikant Pandey, Department of Political Science briefed on the work of Mahatma Gandhi.

कुलपति आचार्य संजय सिंह को कर्नल की मानद उपाधि



विश्वविद्यालय के कुलपति, आचार्य संजय सिंह को दिनांक 14 अगस्त, 2020 को राष्ट्रीय कैडेट कोर निदेशालय (एनसीसी) द्वारा मानद कर्नल के पद से सम्मानित किया गया । ब्रिगेडियर विक्रम रैना, ग्रुप कमांडर, लखनऊ समूह ने विश्वविद्यालय में आयोजित एक समारोह में कुलपति महोदय को उपाधि प्रदान की। आचार्य संजय सिंह शिक्षा के क्षेत्र में योगदान और एनसीसी की गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मान प्राप्त करने वाले विश्वविद्यालय के पहले कुलपति हैं।

बेहतर भविष्य के लिए गांधीवादी विचारधारा जरूरी : प्रो. लेस्टर

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर "अगले 150 वर्षों के लिए गांधीवादी सीख (गांधियन लेसंस फ़ॉर द नेक्स्ट 150 इयर्स)" विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन, सिल्वर जुबली कमेटी द्वारा किया गया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्रोफेसर लेस्टर कट्ज़, जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी कोरिया, साउथ कोरिया ने गांधीवाद पर विस्तार से चर्चा की । उन्होंने बताया कि महात्मा गांधी में विभिन्न संस्कृतियों को व अगल–अलग राजनीतिक विचारधारा के लोगों को एक साथ लाने की समझ थी। उन्होंने कहा कि बेहतर भविष्य के लिए हमें गांधीवादी विचारधारा के साथ ही आगे बढ़ना होगा जिसमें न्याय के लिए शांतिप्रिय तरीकों को अपनाने की सीख है।

बीबीएयू के राजनीति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर शशिकांत पांडेय ने व्याख्यान की विषयवस्तु का संक्षिप्त में विवरण प्रस्तुत किया।

प्रो0 सनातन नायक, अध्यक्ष, सिल्वर जुबली कमेटी, ने कार्यक्रम का संचालन किया और इस व्याख्यान में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।

अभियंता दिवस का आयोजन

श्री एम. विश्वेश्वरैया जी के जन्म दिवस के अवसर पर 15 सितंबर को विश्वविद्यालय के यूआईईटी विभाग द्वारा अभियंता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार की अध्यक्षता विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह द्वारा की गयी। कुलपति महोदय ने अपना अध्यक्षीय वक्तव्य प्रस्तुत किया। और बताया कि श्री विश्वेश्वरैया जी का जन्म जिस कालखंड में हुआ, 19वी सदी का वह काल खंड हमारे लिए एक वरदान के तौर पर रहा है। जिस कालखंड में पंडित मदन मोहन मालवीय, डॉ अम्बेडकर, सर जे0 सी0 बोस, महात्मा गांधी जैसी कई महान विभूतियों ने हमारी धरती पर जन्म लिया और उन्होंने अपने कार्यों से हमें विकास के पथ पर अग्रसर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को ऐसे महान विभूतियों का अनुसरण करने की प्रेरणा दी।

विषय विशेषज्ञ श्री वी0 बी0 सिंह, नेशनल काउंसिल मेंबर एंड चेयरमैन, सिविल इंजीनियरिंग डिविजन, द इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, इंडिया, ने श्री विश्वेश्वरैया का जीवन परिचय प्रस्तुत किया।

कैप्टन कुबेर पांडे, मास्टर मरीन, वैलेम शिप प्राइवेट लिमिटेड ने बताया कि इंजीनियरिंग की ही देन है कि आज जहाजों के माध्यम से हज़ारों लाखो टन सामान एक देश से दूसरे देश, समुद्री मार्ग से पहुँचाना संभव हुआ है।

इंजीनियर आर0 पी0 सिंह, रिटायर्ड सुपरिटेंडेंट, इंजीनियर यू0पी0 पीडब्ल्यूडी, ने विद्यार्थियों को बताया कि हम अपने अनुभव से सीखते हैं। जीवन में किताबी ज्ञान के साथ ही व्यक्तिगत अनुभव का होना भी बेहद जरूरी है।

दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के फाउंडर मिलिंद कांबले ने श्री मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जी को याद करते हुए इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें नमन किया और कहा कि देश के विकास में इंजीनियरिंग का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

यू.आ.ई.ई.टी. के निदेशक प्रोफेसर आर0 ए0 खान ने कार्यक्रम में सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की विषय वस्तु के बारे में सभी को अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 पी0 डी0 सक्सेना द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अंत में यूआईईटी के डिप्टी डायरेक्टर, डॉ0 धीरेंद्र पांडे ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों का कार्यक्रम में उपस्थित होने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

Role of Media in COVID Crisis

An international webinar was organized by Department of Mass Communication and Journalism on 17 July 2020 on the occasion of the 'Silver Jubilee Year celebration of Babasaheb Bhimrao Ambedkar University'. The theme of the International webinar was "Role of Media in COVID Crisis". The Vice- Chancellor expressed his best wishes for the success of the webinar.

The Chief Guest of the program, was Dr. Sara Chinnaswamy (Associate Professor, Political and Media Analyst, Malaysia). Sara Chinnaswami talked about misinformation & disinformation and gave valuable inputs about the spread of fake news during Covid pandemic. Dr. Jatin Srivastava (Associate Professor, Ohio University, USA) and Dr. Ankuran Dutta (Associate Professor, Department of Journalism and Mass Communication, Gauhati University) were the guest of honour of the programme.

Prof. Gopal Singh and Prof. Govind ji Pandey threw light on the usefulness of media during the Corona epidemic. Prof. Govind Ji Pandey, Head of the Department of Mass Communication and Journalism, welcomed all the guests and scholars present in this webinar. The International Seminar was conducted by Dr. Kunwar Surendra Bahadur and Vote of thanks was given by Prof. Govindji Pandey, Head, DMCJ.

बी.बी.ए.यू. में हिन्दी दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय वेबिनार

हिंदी दिवस 14 सितंबर के अवसर पर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग द्वारा एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम "वेब पत्रकारिता में हिंदी भाषा का अनुप्रयोग" विषय पर आयोजित किया गया।

वेबिनार के मुख्य अतिथि प्रोफेसर कुलदीप चंद अग्निहोत्री, कुलपति, हिमाचल प्रदेश, केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इस अवसर पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि नई तकनीकी के आ जाने से पत्रकारिता का कलेवर बदला है। पहले समाचार पत्रों में शब्दों की शुद्धता और चयन पर विशेष ध्यान दिया जाता था। अब वेब पत्रकारिता में भाषाई शुद्धता पर ध्यान नहीं दिया जाता है।

कार्यक्रम के संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने कहा कि हिंदी दिवस मनाने की जरूरत क्यों पड़ रही है, हमें इस पर विचार करने की आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर कृपाशंकर चौबे, विभागाध्यक्ष, जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा, प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह, निदेशक, महामना मदनमोहन मालवीय हिंदी पत्रकारिता संस्थान, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी एवं प्रोफेसर अनुराग दवे, विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी आदि ने विचार व्यक्त किया।

आधार व्याख्यान प्रोफेसर संजीव भनावत, पूर्व विभागाध्यक्ष, जनसंचार केंद्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, द्वारा दिया गया ।

विभाग के अध्यक्ष प्रो0 गोविंद जी पांडेय ने अतिथियों का कार्यक्रम में स्वागत किया और बताया कि हिंदी भाषा और पत्रकारिता का गहरा संबंध रहा है ।

विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ अरविंद सिंह ने इस वेबीनार की एक विस्तृत रिपोर्ट सभी के सामने प्रस्तुत की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 लोकनाथ ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कार्यक्रम की आयोजन समिति के सदस्य डॉ महेंद्र कुमार पाढ़ी, डॉ रचना गंगवार, डॉ सुरेंद्र बहादुर कार्यक्रम में शामिल रहे । कार्यक्रम के अंत में मीडिया एवं जनसंचार विद्यापीठ के संकाय अध्यक्ष प्रोफ़ेसर गोपाल सिंह ने सभी शिक्षकों, अतिथियों और विद्यार्थियों का कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

आत्म निर्भरता से देश होगा मजबूत

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय की 20 यूपी गर्ल्स बटालियन लखनऊ और 67 यूपी बटालियन लखनऊ से सबद्ध एनसीसी इकाई ने "आत्म निर्भर भारत अभियान ई–कैम्प" का आयोजन किया। विशिष्ट अतिथि डॉ रचना गंगवार, जन सम्पर्क अधिकारी बीबीएयू ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के सभी मुख्य बिंदुओं जैसे कृषि, रक्षा, लघु उद्योगों पर अपने विचार रखे और बताया कि आत्मनिर्भर होने पर देश को आर्थिक रूप से और मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर नवीन अरोरा, विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विभाग ने कहा कि हमें जैविक उपचार जैसे जैव उर्वरक, जैव कीटनाशक, जैव प्लास्टिक आदि का उपयोग करके उसे कृषि में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना चाहिए।

कार्यक्रम की आयोजिका लेफ्टिनेंट डॉ. राज श्री ने ई–कैम्प में आनेवाले दिनों की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के सह आयोजक लेफ्टिनेंट डॉ. मनोज कुमार डडवाल ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

- विश्वविद्यालय द्वारा कोविड–19 संक्रमण के कारण सोशल डिस्टेंसिंग की गाइडलाइन का पालन करते हुए अबतक 30 शोध छात्रों का पीएचडी वाइवा करवाकर उन्हें डिग्री प्रदान की जा चुकी है।

- बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के डीन एकेडेमिक प्रो0 राणा प्रताप सिंह, द्वारा संपादित पत्रिका "फिजियोलॉजी एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी ऑफ प्लांट्स" को इस वर्ष पौध विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय महाद्वीप में प्रथम तथा एशिया में शीर्ष 5 जर्नल्स में जगह मिली है।

- विश्वविद्यालय के फार्मास्यूटिकल साइंस के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गौरव कैथवास ने नया हर्बल हैंडवास तैयार किया है। जो हानिकारक रसायनों से मुक्त है। इसका उन्होंने पेटेंट भी करा लिया है।

- विश्वविद्यालय के उन्नत भारत अभियान और विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वावधान में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 15 सितंबर से 25 नवंबर तक आयोजित की जा रही है। इससे संबंधित आधिक जानकारी विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.bbau.ac.in से प्राप्त कर सकते हैं।

- एकात्म मानववाद और अंत्योदय के विचार के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती के अवसर पर दिनांक 25 सितंबर 2020 को विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने विवि में बने पंडित दीनदयाल उपवन में स्थापित उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

- विश्वविद्यालय के भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा ''सूक्ष्म पदार्थ एवं संबंध चेतना ऊर्जा'' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी का समापन 29 सितंबर को हुआ। इस वेबिनार में 50 से ज्यादा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

- विश्वविद्यालय ने 30 सितंबर को अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर लिए है। इस अवसर पर विवि में सिल्वर जुबली पार्क का उद्घाटन किया गया। विवि के कुलपति आचार्य संजय सिंह और प्रभागीय वन अधिकारी डॉ. रवि कुमार ने इसका शुभारम्भ किया। इस अवसर पर पार्क में पीपल के 25 पौधे रोपे गये।

- विश्वविद्यालय के शोधार्थी डॉ. रंजन सिंह ने मछली से बनने वाली ओमेगा थ्री दवा को काई से तैयार कर सफलता पायी है। ऐसे में मधुमेह, हृदय और कर्क रोग पीड़ित शाकाहारी मरीज भी बेझिझक इसका सेवन कर सकेंगे। इस खोज से यह दवा सस्ती होने के साथ और भी सुरक्षित होगी। डॉ. रंजन सिंह ने यह सफलता पर्यावरण विज्ञान के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डी.पी. सिंह के निर्देशन में हासिल की है।

- विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एनवायर्नमेंटल साइंस डिपार्टमेंट ऑफ माइक्रोबायोलॉजी की विज्ञानी डॉ. पूजा शर्मा ने अपने शोध में पाया कि सरपत, बथुआ और जंगली धनिया में प्राकृतिक रूप से औद्योगिक इकाइयों के दूषित जल को साफ करने की क्षमता है। डॉ. पूजा शर्मा का यह शोध पत्र एक अन्तरराष्ट्रीय शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

Babasaheb Bhimrao Ambedkar University

(A Central University)

Vidya Vihar, Raebareli Road, Lucknow-226025, Uttar Pradesh, India

Patron : Prof. Sanjay Singh, Vice Chancellor, BBAU

Editorial Advisors : Prof. Gopal Singh, Prof. Govind Ji Pandey, Dr. Mahendra Kr. Padhy, Dr. Rachana Gangwar
Dr. Loknath, Dr. K.S. Bahadur, Dr. A.K. Singh

Issue Editor : Dr. Loknath